हिंदी विश्वविद्यालय में संस्कृत नाटक दूतवाक्यम् प्रशिक्षण कार्यशाला का उदघाटन

वर्धा, 17 दिसंबर 2016: नाट्य परंपरा एवं संस्कृति की समृद्धि तथा संरक्षण हेतु महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में स्थापित साहित्य विद्यापीठ के संस्कृत विभाग एवं प्रदर्शनकारी कला

विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में शुक्रवार को संस्कृत नाटक दूतवाक्यम् प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के नाट्य विशेषज्ञ आलोक

पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में नाट्य कलाओं के तकनीकी के बारे में बताया । अध्यक्षीय वक्तव्य में

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने नाट्य कला एवं संस्कृत पर प्रकाश डालते हुए नाटक विधा के विविध पक्षों के बारे में बताया और साथ ही लुप्त हो रही अन्य नाट्य विधाओं के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी बल दिया। विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो.के.के. सिंह ने

स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया तथा प्रदर्शनकारी कला विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.सुरेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया । मंच संचालन संस्कृत विभाग के प्रभारी लेखराम दन्नाना ने किया ।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के साहित्य, शिक्षा, संस्कृति, भाषा,अनुवाद एवं निर्वचन तथा अन्य सभी विद्यापीठों के आचार्यवृन्द ,शिक्षक गण, शोधार्थी, तथा विद्यार्थी सहित आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सतीश पावडे, सुरभि विप्लव,डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, डॉ. वागीश राज शुक्ल, डॉ. भारत कुमार पंडा आदि उपस्थित थे।